राजधानी •
वर्ष 18 | अंक 165 | पृष्ठ : 16+6
मूल्य : चार रुपये
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

नई दिल्ली
बुधवार, 23 सितंबर 2020

मानसून सत्र | निलंबित आठ सांसदों का धरना खत्म, राज्यसभा का बहिष्कार शुरू

यीडा में फिल्म सिटी बनने से जनपद के युवा कलाकार दिखा सकेंगे प्रतिभा

लोगों को रोजगार भी मिलेगा, घर से दूर भी नहीं रहना पड़ेगा, अभी मुंबई में काम कर रहे जिले के कई युवा

मनोज कुमार

नोएडा। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में फिल्म सिटी की घोषणा के बाद जिले सहित दिल्ली-एनसीआर के युवाओं की खुशी दोगुनी हो गई है। सैकड़ों युवा स्थानीय कलाकार मुंबई में कला का जौहर दिखा रहे हैं, लेकिन कई बार काम न मिलने से वे परेशान हो जाते हैं। घर आने-जाने में भी काफी पैसा खर्च हो जाता है। साथ ही, परिवार और समाज के लोगों से भी दूर रहना पड़ता है। अब जिले में फिल्म सिटी बनने पर युवाओं को यहीं प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

एनसीआर में तमाम स्थानीय कलाकार ऐसे हैं, जिन्हें मुंबई जाने का मौका नहीं मिल पा रहा। वे अपनी प्रतिभा को समेटकर बैठ जाते हैं या फिर छोटे-मोटे प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित करते हैं। यूट्यूब, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया से प्रतिभा दिखाते रहते हैं। अब यहां फिल्म बनने से उनको भी मौका मिलेगा। वहीं, फिल्म सिटी बनने की सूचना मिलते ही जिले के लोगों में खुशी का माहौल है। उनका कहना है कि रोजगार के साथ-साथ व्यापार के भी मौके भी बढ़ेंगे। लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी आभार जताया है।

नाम कान्हा फिल्म सिटी रखने की मांग

नोएडा। आर्य समाज के जिला उपाध्यक्ष और समाजसेवी डॉक्टर आनंद आर्य ने मुख्यमंत्री को ट्वीट करके फिल्म सिटी बनाने पर आभार व्यक्त किया है। साथ ही, मांग की है कि यह क्षेत्र कृष्ण जन्मस्थली मथुरा से नजदीक है और कृष्ण ने बाल लीलाएं यहीं पर की है, इसलिए इस फिल्म सिटी का नाम कान्हा फिल्म सिटी रखा जाए। ब्यूरो

“अभी तक हम जैसे युवाओं को दिल्ली के थियेटर में काम करना होता है और फिर यहां से मुंबई के लिए जाते हैं। शुरुआत में आर्थिक स्थिति कमजोर होने से कई युवा अपनी प्रतिभा नहीं दिखा पाते हैं और वह हताश होकर लौट आते थे। अब युवाओं को अपने जिले में ही अवसर मिलेंगे। - **प्रदीप नागर, सादुल्लापुर।**

“ऑडिशन के लिए मुंबई जाना पड़ता है और आने-जाने में काफी खर्च हो जाता है। नए कलाकार के लिए इतना सब सहना थोड़ा मुश्किल है। कई बार आर्थिक कारणों से युवा कलाकार पीछे हट जाते हैं, लेकिन जिले में फिल्म सिटी बनने से न सिर्फ युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि वह प्रतिभा को दिखा सकेंगे। **- नागेंद्र गुर्जर, हृदयपुर, शामली बुलंदशहर**

“सेक्टर-21 में फिल्म सिटी की स्थापना से एनसीआर क्षेत्र के उन कलाकारों को कामयाबी का रास्ता मिलेगा, जो अवसर न मिलने से दबे रह जाते हैं। फिल्म सिटी की स्थापना से अप्रत्यक्ष व प्रत्यक्ष लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा। फिल्म सिटी के एलान के बाद मैंने मुख्यमंत्री से यीडा में फिल्म सिटी बनाने की अपील की थी। मुख्यमंत्री ने हमारी बात सुनी। उनका इस क्षेत्र के निवासियों की तरफ से आभार है। **- धीरेंद्र सिंह, जेवर विधायक**

“देश की सबसे बड़ी फिल्म इंडस्ट्री मुंबई में है। दक्षिण भारत की अपनी फिल्म इंडस्ट्री है। अब तक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल भी गोवा में होने लगा है, लेकिन उत्तर भारत में फिल्मों से जुड़ा कुछ भी नहीं है, जबकि फिल्मों व सीरियल में दिल्ली और उसके आसपास की बहुत सी कहानियां दिखाई जाती हैं। देहात पर फिल्म बनानी होती है तो दिल्ली, उत्तर प्रदेश को चुना जाता है। मैं उत्तर प्रदेश सरकार और यमुना प्राधिकरण के प्रति आभार व्यक्त करती हूं कि उन्होंने यहां फिल्म सिटी बसाने का फैसला लिया है। **- मेघना कोठारी, फिल्म कलाकार व फाउंडर कंट्रोल ऑल्ट**

फिल्म सिटी का रास्ता साफ होने से खुशी

रबूपुरा (संवाद)। फिल्म सिटी का रास्ता साफ होने से क्षेत्र के लोगों में खुशी है। यीडा का सेक्टर-21 रबूपुरा के पास है। लोगों का कहना है कि बृज भूमि के समीप यह फिल्म सिटी दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करेगी। लोगों ने फिल्म सिटी का रास्ता साफ होने पर खुशी मनाई है। कई जगह लोगों ने एक दूसरे को मिठाई वितरित की।